केन्द्रीय विद्यालय संगठन, लखनऊ संभाग
शैक्षिक सत्र-**2024-25**
विषय **:** हिंदी **(**आधार**)**
विषय कोड**: 302**
कक्षा**:** बारहवीं

निर्धारित समय **: 3** घंटे
अधिकतम अंक **: 80**

सामान्य निर्देश **:-**

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए **:-**

- यह प्रश्न-पत्र तीन खंडों में विभाजित है।
- खंड **-** क में अपठित बोध पर आधारित प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- खंड **-** ख में पाठ्यपुस्तक अभिव्यक्ति और माध्यम से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
- खंड **-** ग में पाठ्यपुस्तक आरोह तथा वितान से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
- तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

	खड 'क'	
प्रश्न संख्या	<u>अपाठित बोध</u>	अक (18)
प्रश्न **1.**	निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए**-**	(10)
	आदमी के और सारे गुण उसके हिम्मती होने से ही पैदा होते हैं। ज़िंदगी की दो सूरतें हैं।एक तो यह कि आदमी बड़े-से-बड़े मकसद के लिए कोशिश करे, जगमगाती हुई जीत पर पंजा डालने के लिए हाथ बढ़ाए और अगर असफलताएँ कदम-कदम पर जोश की रोशनी के साथ अँधियाली का जाल बुन रही हों, तब भी यह पाँव पीछे न हटाए। दूसरी सूरत यह है कि उन गरीब आत्माओं का हमजोली बन जाए जो न तो बहुत अधिक सुख पाती हैं और न जिन्हें बहुत अधिक दुख पाने का ही संयोग है, क्योंकि वे आत्माएँ ऐसी गोधूलि में बसती हैं, जहाँ न तो जीत हँसती है और न कभी हार के रोने की आवाज़ सुनाई पड़ती है। इस गोधूलि वाली दुनिया के लोग बँधे हुए घाट का पानी पीते हैं, वे ज़िंदगी के साथ जुआ नहीं खेल सकते।	

	साहस की ज़िंदगी सबसे बड़ी ज़िंदगी होती है। ऐसी ज़िंदगी की सबसे बड़ी पहचान यह है कि यह बिलकुल निडर, बिलकुल बेखौफ होती है। साहसी मनुष्य की पहली पहचान यह है कि वह इस बात की चिंता नहीं करता कि तमाशा देखने वाले लोग उसके बारे में क्या सोचते हैं। जनमत की उपेक्षा करके जीने वाला आदमी ही दुनिया की असली ताकत होता है और मनुष्यता को प्रकाश भी उसी आदमी से मिलता है। अड़ौस-पड़ोस को देखकर चलना साधारण जीव का काम है। क्रांति करने वाले लोग अपने उद्देश्य की तुलना न तो पड़ोसी के उददेश्य से करते हैं और न अपनी चाल को ही पड़ोसी की चाल देखकर मद्धिम बनाते हैं। साहसी मनुष्य उन सपनों में भी रस लेता है जिन सपनों का कोई व्यावहारिक अर्थ नहीं है। साहसी मनुष्य सपने उधार नहीं लेता, वह अपने विचारों में रमा हुआ अपनी ही किताब पढ़ता है। झुंड में चलना और झुंड में चरना, यह भैंस और भेड़ का काम है। सिंह तो बिलकुल अकेला होने पर भी मगन रहता है।	
(i)	"गोधूलि वाली दुनिया के लोगों से अभिप्राय ऐसे लोगों से है जो -..... उत्तर देने के लिए सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए। 1. विवशता और अभाव में जीते हैं। 2. जीवन को दाँव पर लगा देते हैं। 3. फल की कामना नहीं करते हैं। 4. जय-पराजय के अनुभव से परे होते हैं।	1
(ii)	निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्प में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए। कथन - जनमत की उपेक्षा करके जीने वाला आदमी ही दुनिया की असली ताकत होता है और मनुष्यता को प्रकाश भी उसी आदमी से मिलता है। कारण - साहसी व्यक्ति लीक से हटकर अपनी आवश्यकता एवं लक्ष्य के अनुरूप मार्ग का अनुसरण करता है, इसके माध्यम से वह लोगों में नई चेतना जगाता है। 1. कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है। 2. कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं। 3. कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है। 4. कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।	1

(iii)	"साहसी मनुष्य सपने उधार नहीं लेता, वह अपने विचारों में रमा हुआ अपनी ही किताब पढ़ता है।" इस कथन के माध्यम से लेखक.....का संदेश देना चाहते हैं। 1. सदाचार 2. स्वावलंबन 3. निलंबन 4. मिथ्याचार	1
(iv)	कौन-से लोग बर्फ़ हुए घाट का पानी पीते हैं?	1
(v)	'आदमी के और सारे गुण उसके हिम्मती होने से ही पैदा होते हैं।आशय स्पष्ट कीजिए।	**2**
(vi)	ज़िंदगी की दोनों स्थितियों में से कौन-सी उचित है? कारण सहित लिखिए।	**2**
(vii)	लेखक द्वारा अकेले चलने वाले की तुलना सिंह से किए जाने का औचित्य सिद्ध कीजिए।	**2**
प्रश्न **2.**	निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए**-**	(**8**)

	"तन समर्पित, मन समर्पित और यह जीवन समर्पित चाहता हूँ देश की धरती , तुझे कुछ और भी दूँ । माँ तुम्हारा ऋण बहुत है , मैं अकिंचन , किंतु इतना कर रहा, फिर भी निवेदन – थाल में लाऊँ सजाकर भाल जब , कर दया स्वीकार लेना वह समर्पण , गान अर्पित, प्राण अर्पित रक्त का कण-कण समर्पित चाहता हूँ देश की धरती , तुझे कुछ और भी दूँ । माँज दो तलवार को लाओ न देरी , बाँध दो कसकर कमर पर ढाल मेरी , भाल पर मल दो, चरण की धूल थोड़ी , शीश पर आशीष की छाया घनेरी , स्वप्न अर्पित ,प्रश्न अर्पित आयु का क्षण-क्षण समर्पित, चाहता हूँ देश की धरती , तुझे कुछ और भी दूँ ।"	

(i)	कवि किस भेंट को स्वीकार करने का निवेदन देश की धरती से कर रहा है : (अ)स्वयं का बलिदान (ब) शत्रु का शीश (स) धन-संपत्ति से भरा थाल (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं	**1**
(ii)	माँ तुम्हारा ऋण बहुत है , मैं अकिंचन , -- पंक्ति में अकिंचन का क्या अर्थ है ? (अ)कंचन से भरा हुआ (ब) वीरता से भरा हुआ (स) दरिद्र (द) बलिदानी	**1**
(iii)	काव्यांश के आधार पर निम्नलिखित केंद्रीय भावों पर विचार कीजिए - I. देशभक्ति की भावना II. परमार्थ की भावना III. उदारता की भावना उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा / कौन-से सही हैं । (अ)केवल I (ब) केवल III (स) II और III (द) I और II	**1**
(iv)	मस्तक पर आशीर्वाद की घनी छाया – इस प्रकार के भाव कविता की किस पंक्ति में निहित हैं ?,	**1**
(v)	मातृभूमि से कवि क्या प्रार्थना करता है ?	**2**
(vi)	कवि मातृभूमि के लिए क्या-क्या अर्पण करने की बात कह रहा हैं ?	**2**
	खंड - ख	
प्रश्न संख्या	<u>अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न</u>	अंक **22**
प्रश्न **3.**	निम्नलिखित दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग **120** शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए **:-** • विद्यालय का वह खास दिन • बारिश में बिन छतरी · मोबाइल के बिना दुनिया	**(1x6= 6)**
प्रश्न **4**	निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं चार प्रश्नों के लगभग **40** शब्दों में उत्तर दीजिए **:-**	**(4x2= 8)**

(i)	जनसचार किसे कहते हैं ? जनसचार माध्यम के प्रकार और प्रत्येक माध्यम के दो उदाहरण लिखिए ।	**2**
(ii)	कहानी और नाटक किन बिंदुओं पर समान होते हैं?	**2**
(iii)	अप्रत्याशित विषयों पर लेखन से क्या अभिप्राय है?	**2**
(iv)	रेडियो सचार का कैसा माध्यम है? इसकी कोइ दो सीमाए लिखें।	**2**
(v)	फ्रीलासर पत्रकार कौन होता है?	**2**
प्रश्न 5	निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग **80** शब्दों में उत्तर दीजिए **:-**	**(2x4= 8)**
(i)	प्रिंट या मुद्रित माध्यम से आप क्या समझते हैं ? इसकी किन्हीं तीन विशेषताओं को रेखांकित कीजिए।	**4**
(ii)	उलटा पिरामिड शैली किस प्रकार के लेखन की बुनियादी शैली होती है ?इसके मुख्य तीन भागों को स्पष्ट करें।	**4**
(iii)	कहानी का नाट्य रूपातरण करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक है ? स्पष्ट कीजिए ।	**4**
	खड – ग	
प्रश्न संख्या	<u>पाठ्य पुस्तक आरोह और वितान पर आधारित प्रश्न</u>	अक **40**
प्रश्न 6	निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ते हुए पूछे गए प्रश्नों के उत्तर हेतु सही उत्तर के विकल्प का चयन कीजिए **:-**	**(5x1= 5)**
	" सारी मुश्किल को धैर्य से समझे बिना मैं पेंच को खोलने के बजाए उसे बेतरह कसता चला जा रहा था क्यों कि इस करतब पर मुझे साफ सुनाई दे रही थी तमाशबीनों की शाबाशी और वाह वाह । आखिरकार वही हुआ जिसका मुझे डर था ज़ोर ज़बरदस्ती से बात की चूड़ी मर गई और वह भाषा में बेकार घूमने लगी ! हार कर मैंने उसे कील की तरह उसी जगह ठोंक दिया ।"	
(i)	प्रस्तुत काव्यांश के कवि कौन हैं ? (अ)शमशेर बहादुर सिंह (ब) उमाशंकर जोशी (स) कुँवर नारायण (द) इनमें से कोई नहीं	**1**

(ii)	'साफ सुनाई दे रही थी तमाशबीनों की शाबाशी और वाह-वाह ।' यहाँ तमाशबीन शब्द किनके लिए आया है ? (अ)झूठी वाहवाही करने वाले प्रशंसक पाठक (ब) कवि को प्रोत्साहन देने वाले उसके मित्र (स) कविता की गंभीरता के जानकार आलोचक (द) उपर्युक्त सभी विकल्प सही हैं ।	**1**
(iii)	"बात की चूड़ी मर गई' से क्या आशय है ? (अ)बात और ज्यादा बेसहारा हो गई । (ब) बात और सहज हो गई । (स) कविता का भाव स्पष्ट हो गया । (द) बात का प्रभाव समाप्त हो गया ।	**1**
(iv)	कवि के सामने कौन-सी मुश्किल थी जिसे वह समझ नहीं पा रहा था ? (अ) अपनी बात को अभिव्यक्त करने में प्रसन्न कैसे रहें । (ब) अपनी बात को कठिन शब्दों से प्रभावी कैसे बनाया जाए । (स) अपनी बात को सहज, सरल शब्दों के सहारे कैसे अभिव्यक्त किया जाए । (द) अपनी बात से सबको गुमराह कैसे किया जा सकता है ।	**1**
(v)	बात को कील की तरह ठोकने का क्या अभिप्राय है ? (अ)अभिव्यक्ति की सफलता (ब) भाषा के साथ ज़बरदस्ती करना (स) शब्दों का प्रभावी प्रयोग (द) बात का आलंकारिक प्रयोग	**1**
प्रश्न 7.	काव्य खंड आधारित निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग **60** शब्दों में लिखिए **:-**	**(2x3= 6)**
(i)	सुत बित नारि भवन परिवारा , होहिं जाहिं जग बारहिं बारा । पंक्ति में किस प्रकार के भाव व्यक्त हुए हैं? लक्ष्मण-मूर्छा और राम का विलाप प्रसंग के आधार पर उत्तर दीजिए ।	**3**
(ii)	'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता करुणा के मुखौटे में छिपी क्रूरता की कविता है – विचार कीजिए ।	**3**
(iii)	'बादल राग' कविता जीवन निर्माण के नए राग का सूचक है स्पष्ट कीजिए ।	**3**
प्रश्न 8.	काव्य खंड आधारित निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग **40** शब्दों में लिखिए **:-**	**(2x2= 4)**
(i)	कविता के संदर्भ में 'बिना मुरझाए महकने के मानें' क्या होते हैं ?	**2**

(ii)	कविता 'बात सीधी थी पर' - में किसी बात को पेचीदा कैसे किया जाता है?	**2**
(iii)	छोटे चौकोने खेत को कागज़ का पन्ना कहने में क्या अर्थ निहित है ? 'छोटा मेरा खेत' कविता के आधार पर बताइए ।	**2**
प्रश्न 9.	निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ते हुए पूछे गए प्रश्नों के उत्तर हेतु सही उत्तर के विकल्प का चयन कीजिए **:-**	**(5x1= 5)**
	बाज़ार में एक जादू है । वह जादू आख को राह काम करता है । वह रूप का जादू है पर जैसे चुंबक का जादू लोहे पर ही चलता है , वैसे ही इस जादू की भी मर्यादा है । जेब भरी हो , और मन खाली हो , ऐसी हालत में जादू का असर खूब होता है । जेब खाली पर मन भरा न हो, तो भी जादू चल जाएगा । मन खाली है तो बाज़ार की अनेकानेक चीज़ों का निमंत्रण उस तक पहुँच जाएगा । कहीं उस वक्त जेब भरी हुई तब तो फिर वह मन किसकी मानने वाला है ! मालूम होता है यह भी लूँ, वह भी लूँ । सभी सामान जरूरी और आराम को बढ़ाने वाला मालूम होता है । पर यह सब जादू का असर है । जादू की सवारी उतरी कि पता चलता है कि फैंसी चीज़ों की बहतायत आराम में मदद नहीं देती , बल्कि खलल ही डालती है। थोड़ी देर को स्वाभिमान को ज़रूर सेंक मिल जाता है पर इससे अभिमान की गिल्टी की और खुराक ही मिलती है । जकड़ रेशमी डोरी की हो तो रेशम के स्पर्श के मुलायम के कारण क्या वह कम जकड़ होगी ? पर उस जादू की जकड़ से बचने का एक सीधा-सा उपाय है । वह यह कि बाज़ार जाओ तो खाली मन न हो । मन खाली हो, तब बाज़ार न जाओ ।	
(i)	बाज़ार के जादू का असर सबसे ज्यादा कब होता है ? (अ)जेब खाली हो , और मन खाली हो (ब) जेब भरी हो , और मन भरा हो (स) जेब भरी हो , और मन खाली हो (द) जेब खाली हो , और मन भरा हो	**1**
(ii)	बाज़ार का जादू उतरने पर क्या स्थिति होती है ? (अ)मन व्याकुल हो जाता है । (ब) अभिमान की गिल्टी की खुराक मिलती है । (स) स्वाभिमान को सेंक मिलता है । (द) उपर्युक्त सभी विकल्प सही हैं ।	**1**
(iii)	बाज़ार के जादू से बचने का उपाय क्या है ? (अ) बाज़ार जाओ तो मन खाली हो । (ब) बाज़ार जाओ तो खाली मन न हो । (स) बाज़ार जाओ तो मन और जेब खाली हो । (द) बाज़ार जाओ तो मन खाली और जेब भरी हो ।	**1**

(iv)	निम्नलिखित कथन कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प का चुनाव कीजिए :- कथन (A) जकड़ रेशमी डोरी की हो तो रेशम के स्पर्श के मुलायम के कारण क्या वह कम जकड़ होगी ? कारण (R) बाज़ार के जादू की जकड़ बाहर से सुखद लेकिन मन को ठेस पहुँचाने वाली होती है । (अ)कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है । (ब) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है । (स) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं । (द) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है ।	**1**
(v)	निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए - (i)फैंसी चीज़ों की बहुतायत आराम में खलल डालती है । (II) मन खाली है तो बाज़ार की अनेकानेक चीज़ों का निमंत्रण उस तक पहुँच जाएगा (III) बाजार का जादू आँख की राह काम करता है उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा / कौन-से सही हैं । (अ)केवल I (ब) केवल III (स) II और III (द) I , II और III	**1**
प्रश्न **10.**	गद्य खड आधारित निम्नलिखित प्रश्नो मे से किन्हो दो प्रश्नों के उत्तर लगभग **60** शब्दों में लिखिए **-**	**(2x3= 6)**
(i)	भक्तिन की बेटी पर पचायत द्वारा जबरन पति थोपा जाना किस सामाजिक समस्या की ओर संकेत करता है ? 'भक्तिन' पाठ के आधार पर उत्तर लिखिए ।	**3**
(ii)	'काले मेघा पानी दे' सस्मरण मे लोक-प्रचलित विश्वास और विज्ञान के द्वंद्व का सुंदर चित्रण है । कैसे ?	**3**
(iii)	कला की प्रासंगिकता व्यवस्था की मुखापेक्षी है अथवा उसका कोई स्वतंत्र मूल्य भी है? कथन की कहानी 'पहलवान की ढोलक' के आधार पर समीक्षा कीजिए ।	**3**
प्रश्न **11.**	पाठ्य पुस्तक आरोह के गद्य पाठो पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग **40** शब्दों में लिखिए **-**	**(2x2= 4)**
(i)	जाति-प्रथा पेशे का दोषपूर्ण पूर्वानुधारण करती है । इस कथन को 'श्रम विभाजन और जाति-प्रथा' नामक पाठ के आधार पर बताइए ।	**2**

(ii)	लेखक ने शिरीष को कालजयी अवधूत की तरह क्यों माना है? 'शिरीष के फूल' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए ।	**2**
(iii)	डॉक्टर भीमराव आंबेडकर की कल्पना के आदर्श-समाज के मूल आधार कौन-कौन-से हैं ?	**2**
प्रश्न **12.**	निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग **100** शब्दों में उत्तर दीजिए **-**	(2x5=10)
(i)	कहानी 'सिल्वर वेडिंग' के आधार पर उन भारतीय जीवन-मूल्यों को समझाएँ जो समय के साथ बदल रहे हैं।	**5**
(ii)	कविता के प्रति लगाव के बाद लेखक की अकेलेपन को लेकर धारणा क्यों बदल गई ? 'जूझ' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।	**5**
(iii)	सिन्धु सभ्यता साधन सम्पन्न थी पर उसमें भव्यता का आडंबर नहीं था … कैसे ?उदाहरण या तर्क सहित लिखें ।	**5**